

खतरनाक साँप

लेखन - डॉ. मोहम्मद साजिद खान

चित्रांकन - मेघा अरुण



आभार

कार्यक्रम समन्वयक

प्रो. उषा शर्मा, प्रोफेसर एवं प्रभारी,
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

लेखन

डॉ. मोहम्मद साजिद खान

चित्रांकन

मेघा अरुण

मार्गदर्शन

प्रो. नीना सबनानी, एनिमेटर एवं सहायक संकाय,
डिज़ाइन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद

आभार ज्ञापन

श्री श्याम सिंह सुशील, लेखक

श्री अक्षय कुमार दीक्षित, मेंटर, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली
डॉ. प्रसाद एस ओंकार, प्रमुख (डिज़ाइन) एवं एसोसिएट प्रोफेसर, आई.आई.टी., हैदराबाद
प्रो. दीपक जॉन मैथ्यू, प्रोफेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
श्री डेल्विन जूड रेमेडियोज, सहायक प्रोफेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
श्रीमती अंकिता रॉय, सहायक प्रोफेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
डॉ. मोहम्मद शाहिद, सहायक प्रोफेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
डॉ. सौरव देवरी, सहायक प्रोफेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
डॉ. शुहिता भट्टाचार्जी, सहायक प्रोफेसर, उदार कला विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद
श्री गौतम गोस्वामी, सहायक प्रोफेसर, एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया विभाग,
बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
श्री मोहम्मद शाह आलम, वरिष्ठ परामर्शदाता (आई.सी. टी.),
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
सुश्री भावना खेड़ा, कनिष्ठ परियोजना अध्यक्ष,
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली



उल्लास
ULLAS
नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

खतरनाक सप्प

लेखन

डॉ. मोहम्मद साजदि खान

चित्रांकन

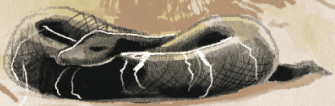
मेधा अरुण

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING





रोज शाम आला लेखा अज बी फूल मती रूट्टी बनाने ताई कंडे लेन गई दी ही।



ता जे उदा पैर इक सप्प दी पूंछ पर आई गया।



अपने बचा आस्ते सप्प ने उसी डसी लिया।





मट्टिटू चाचे ने उसने दे नशाना पर कसी ए परणा बने दाहा।
फूलमती बेहोश होई जादी ही



जगेसर गी समझ नही आदा हा के ओ के करे।

इसे आनन फानन च सब उसी ग्रा दे गनेसी ओझा दे
कोल लई ए चली पये।





ओझा ने मंत्र पढ़ना शुरू पर फूलमती दे शरीर च कोई हलि डुल नई होई। फी ओझा ने उदे मुंह च काढ़ा पाने दी कोशशि कर्ती पर दंद कसे होने करएि सारा काढ़ा बाहर नकिल गया।



हून ओझा ने अपने झोले च इक काले रंग दी दवाई आली शीशी कडी। ओ जयिां गे दवाई फूलमती दे नाक च पान लगाा अग्गे बदया ते इक आवाज़ गूंज उठी।





ओझा ठठिक गया। सारे रहान होइए पीछे दखिया उथे रेखा खड़ीती दी ही। रेखा गरां दे सरपंच दी कुड़ी ही जे जेडी शहर च पढ़ती ही। उसी सांप ते होर जीव जंतुए दे वषिय दा सही जानकारी ही।



मटिठू चाचा दी गल पर ओझा ने भाई जल्दी नजरे कन्ने रेखा पासे दखिया। पर रेखा जदि पर अड़ी दी ही।

चलो बगैर टाइम खराब उसी कन्ने आले ग्रां च सामुदायिकि स्वास्थ केंद्र लई जांचे।



सामुदायिकि केंद्र पूजदे ई रेखा ने इमरजेसी वार्ड च सूचना दीती। ते फूलमती जी दाखलि कराई दतिता।



तुस लोक चति नई करो ते इलाज पूरा होने तक सामने आले हाल च बेइ जाओ।



की कुसे ने उस सांप
गी दखिया हा जीने
इसी डंगया हा।

जी डा साहब ओ
काले रंग दा पतला
जया सांप हा।


इदा मतलब ओ इक
कामन करैत हा।

डॉक्टर साहब ने इलाज शुरू कतिता ते फूलमती गी एंटी वेनम दा इंजेक्शन दीत्ता ।



हुन तक शाम रात च बदली गई दी ही पर सारे गे डटे दे हे । आखर ग्रां दी गल्ल ही।






जे तूस सही समय पर इत्थे
नई लायन्दे ते मरीज़ दी जान
जाइ सकती ही।

दरअसल तुम लोग ऐसी जगह
पर रोहन्दे हो जत्थे सांप
होने दी संभावना जायदा
होंदए।

साप अकसर बडडी बडडी
धा खलिरी दयिा खाद दयिा
बोरयिां सुके पतते लकड़यिां
ते गोटे दे ढेर च रोहंदे नां इसे
करएि अपनी सुरक्षा आसते
अपने अगे पीछे साफ सफाई
रखो तुस ए जानकारी अपने
मोबाइल फोन पर भी दखिी
सकदे ओ।



ते हां कदी इस तरह दी मुश्कलि होवे
तां कूझे ओझा दे कोल जाने दी बजाए
स्वास्थ केंद्र च आओ।

मठिठ चाचा ने अपना मोबाइल फोन कड्डया ते सपे कन्ने जुडी दी जानकारी लबबन लगी पै।

A green silhouette map of India is centered on a light green background. Overlaid on the map is a fraction: 60 over 276, with a horizontal line separating the numerator and denominator. The numbers are in a simple, hand-drawn style.

कॉमन करैत	A black cobra snake with its hood flared, coiled on a white background.
कोबरा	A brown cobra snake with its hood flared, coiled on a white background.
वाइपर	A brown and yellow patterned snake, likely a viper, coiled on a white background.

भारत च सपे दयिँ 276 प्रजातियां पाइयां जांदयिं न जसि च तकरीबन 60 जहरीलियां न इंदे च ज्यादातर (कामन - करैत ते कोबरा ते वाइपर) ई साढे अगे पछिे दखिने गी मलिदे ना।

फूलमती हुन पहले कोला ठीक मसूस करा दी ही ओ डाक्टर साहब गी धन्यवाद दर्ई के जगेसर रेखा ते बांका ग्रां आले लोके कन्ने घर जाने लई नकिली पई।



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING